>

Title : Need to increase the quota of Haj pilgrims from the country.

श्रीमती जयाप्रदा : मैडम, मैं आपको धन्यवाद कहना चाहती हूं कि आपने मुझे बोलने का मौका दिया। इसके साथ ही आपको इस कुर्सी पर देखते हुए मुझे अच्छा लग रहा है और मैं आपका अभिनंदन करना चाहती हूं। आज मैं इस सदन को अवगत कराना चाहती हूं कि प्रत्येक वर्ष हजारों लोग हज की पवित्र यात्रा के लिए जाते हैं और जितना कोटा सरकार की ओर से उपलब्ध है, उससे ज्यादा संख्या में लोग पवित्र हज यात्रा के लिए उम्मीद रखते हैं और उन्हें कोटा न मिलने पर बहुत निराशा व्यक्त करते हैं। खासतौर से यह बात उनके दिल की भावनाओं से जुड़ी हुयी है कि जीवन में कम से कम एक बार हज यात्रा करनी चाहिए। [p1]

कश्मीर के बाद रामपुर मेरा संसदीय क्षेत्र एक मुस्लिम बहुल एरिया है और वहां से काफी लोग पवित्र हज यात्रा में जाने की उम्मीद करते हैं। कुछ प्रदेश ऐसे हैं, जहां सरकार ने जो कोटा उपलब्ध करवाया है लेकिन कुछ प्रदेशों के उस कोटे को घटाया जा रहा है, वहां हज यात्रियों की संख्या बढ़ाने के बजाए घटाई जा रही है। मैं आपके माध्यम से उस कोटे को पूरा कराना चाहती हूं। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा रामपुर के हज यात्रियों के निर्धारित कोटे को कम करने की वजह से हज यात्रा में जाने वाले लोगों को काफी मुश्किलें हो रही हैं। केन्द्र सरकार द्वारा लगभग 1,760 लोगों का कोटा निर्धारित किया गया था। सन् 2008 में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा लगभग 1,000 लोगों को उस कोटे से हज भेजा गया था। सन् 2009 में सिर्फ 868 लोगों का कोटा दिया गया है। कहने का मतलब यह है कि उनकी संख्या में बढ़ोत्तरी करने के बदले उसे घटाया जा रहा है।...(व्यवधान) मैं चाहती हूं कि जो असली कोटा उपलब्ध है, जो 2,700 लोगों को भेजा जाता है, मैं आपसे अनुरोध करना चाहती हूं कि पहले जब लोग हज यात्रा के लिए जाते थे...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। आपकी बात हो गई है। आपने सब कुछ बता दिया है। आपका समय समाप्त हो गया है।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती जया प्रदा : मैडम, मैं अपनी बात समाप्त कर रही हूं।

महोदया, पहले लोग 90,000 रुपये में हज यात्रा में जाते थे, लेकिन आज यह रकम 1,20,000 रुपये हो गई हैं। मैं कहना चाहती हूं कि पहले जो 90,000 रुपये थे, उसे उतना ही रखें और उनका हज जाने का कोटा बढ़ाया जाए।